



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 1994/पौष 29, 1915

No. 23]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 1994/PAUSA 29, 1915

विद्युत मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1994

का. प्रा. 36(अ).—केन्द्रीय सरकार, विद्युत (प्रशय) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की धारा 43 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन विद्युत और अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, विद्युत विभाग की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 251(अ) तारीख 31 मार्च, 1992 का निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में :-

(1) खंड 1.2 में तीसरे अनुच्छेद में "जो प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया जाता है" से आरम्भ होकर तथा "प्रशयकर्ता या ठेकेदारों का नहीं माना जाएगा" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा; अर्थात् :-

"जो प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया जाता है, टेरिफ प्रवर्धित करने के प्रयोजन के लिए वास्तविक पूंजी व्यय समझा जाएगा; परन्तु यह तब जब कि ऐसा अधिक व्यय उत्पादक कंपनी या इसके प्रदायकर्ता या ठेकेदारों के कारण नहीं माना जा सकता;

परन्तु यह और कि जहाँ उत्पादक कंपनी और बोर्ड के बीच विद्युत क्रय संबंधी करार में पूंजी व्यय पर अधिकतम सीमा उपबंधित है वहाँ पूंजी व्यय ऐसी अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगा;"

2. खंड 1.5 में :-

"अनुच्छेद (क) में:-

"भ्याज की भारित औसत दर के आधार पर" शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ii) पैरा (ग) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :-

"(ग) संयंत्र के कमीशन हो जाने के पश्चात् प्रचालन और अनुरक्षण व्यय प्रथम पूरे वर्ष के लिए निम्नलिखित अनुकल्पों में से एक के आधार पर खंड 1.2 में यथा उपबंधित वास्तविक पूंजी व्यय की प्रतिशतता के रूप में संगणित किए जाएंगे, अर्थात् :-

(i) विद्युत क्रय संबंधी करार में उपबंधित वास्तविक पूंजी व्यय या पूंजी व्यय पर अधिकतम सीमा के 2.5 प्रतिशत की दर पर; या

(ii) बीमा पर वास्तविक व्यय के साथ विद्युत क्रय संबंधी करार में उपबंधित वास्तविक पूंजी व्यय का पूंजी व्यय पर अधिकतम सीमा के 2 प्रतिशत पर;

परन्तु विद्युत क्रय संबंधी करार में उपबंधित पूंजी व्यय या वास्तविक पूंजी व्यय पर अधिकतम सीमा का कुल 2 प्रतिशत और बीमा पर वास्तविक व्यय खंड 1.2 में यथा उपबंधित पूंजी व्यय के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

टिप्पण : प्रत्येक पश्चातवर्ती वर्ष में प्रचालन और अनुसंधान पर व्यय भारित कीमत सूचकांक के आधार पर बोर्ड और उत्पादक कंपनी के बीच परस्पर करार पाए गए आधार पर पुनरीक्षण किया जाएगा ।”

(iii) पैरा (ड) में अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण : इस पैरा के प्रयोजन के लिए बिरेणी मुद्रा में लाई गई श्रुतिभूति साम्या के संबंध में, उत्पादक कंपनी का प्रतिश्रुत पूंजी की करेंसी में 16 प्रतिशत से अधिक साम्या पर विवरणी संगणित करने का विकल्प होगा ।”

3. चूड़ 1.6 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

1.6 “संपूर्ण नियत प्रभार 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष के उत्पादन स्तर पर बसूलीय होंगे । 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष के स्तर से कम के नियत प्रभारों का संवाय धानुपातिक आधार पर किया जाएगा : 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष से ऊपर के उत्पादन स्तर के लिए नियत प्रभारों का कोई संवाय नहीं होगा । 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष के ऊपर के उत्पादन के लिए संवेय अतिरिक्त प्रोत्साहन 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष के नियामक स्तर से ऊपर संवेय भार कारक की प्रत्येक प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि के लिए साधारण अंशों पर लाभार्श के 0.7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा । उत्पादन के स्तर की संगणना करते समय, उत्पादन कम करने की सीमा, जैसा कि प्रादेशिक विद्युत बोर्डों द्वारा आदेश किया जाता है, उत्पादन प्राप्त के रूप में हिसाब में लिया जाएगा । नियत प्रभारों का संवाय संबंधित बोर्डों और अन्य व्यक्तियों द्वारा ली गई बिजली के अनुपात में मासिक आधार पर किया जाएगा । वास्तव में ली गई बिजली का आवश्यक समायोजन प्रत्येक वर्ष के अंत में किया जाएगा ।

टिप्पण : 6000 घंटे/कि.वा./वर्ष के नियामक स्तर से ऊपर प्रत्येक प्रतिशत वृद्धि के लिए ऊपर उल्लिखित साधारण अंशों पर लाभार्श की अतिरिक्त प्रोत्साहन की अधिकतम सीमा 0.7 होगी । उत्पादन कंपनियों और बोर्डों या अन्य विद्युत क्रेताओं को उपर्युक्त अधिकतम सीमा के अंतर्गत उपयुक्त कम अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिए बातशीत करने और नियत करने की स्वतंत्रता होगी ।

4. 3.1 का खोप किया जाएगा ।

[एफ. न. 6/1/रीटीसी/94]

टी. सेयुमाबन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January, 1994

S.O. 36(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43A of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Power and Non-Conventional Energy Sources, Department of Power No. S.O. 251(E) dated the 31st March, 1992, namely:—

In the said notification:—

- (1) in clause 1.2, in the third paragraph, for the portion beginning with the words “Authority shall be deemed” and ending with the word “suppliers or contractors” the following shall be substituted, namely :—

“Authority shall be deemed to be the actual capital expenditure for the purpose of determining the tariff :

Provided that such excess expenditure is not attributable to the Generating Company or its suppliers or contractors :

Provided further that where a power purchase agreement entered between the Generating Company and the Board provides a ceiling on capital expenditure, the capital expenditure shall not exceed such ceiling”;

2. in clause 1.5 :—

- (i) in paragraph (a), the words “on the basis of weighted average rate of interest” shall be omitted ;

- (ii) for paragraph (c), the following paragraph shall be substituted, namely :—

- (c) Operations and Maintenance expenses for the first full year, after commissioning of the Plant, shall be calculated as a percentage of the actual capital expenditure as provided in clause 1.2 on the basis of one of the following alternatives, namely :—

- (i) at the rate of 2.5 per cent of the actual capital expenditure or ceiling on capital expenditure provided in the power purchase agreement ; or

- (ii) at 2 per cent of the actual capital expenditure or ceiling on capital expenditure provided in the power purchase agreement together with actual expenditure on insurance;

Provided that total of 2 per cent of the actual capital expenditure or ceiling on capital expenditure provided in the power purchase agreement and the actual expenditure on insurance shall not exceed 3 per cent of the capital expenditure as provided in clause 1.2.

Note.—The expenditure on the Operation and Maintenance in each subsequent year shall be revised as may be mutually agreed upon between the Board and the Generating Company on the basis of weighted price index”.

- (iii) In paragraph (c), the following explanation shall be added at the end, namely :—

“Explanation.—For the purpose of this paragraph, the Generating Company shall, in regard to subscribed equity brought in foreign exchange, have the option to compute the return on equity not exceeding 16 per cent, in the currency of the subscribed capital”;

3. for clause 1.6 the following shall be substituted, namely :—

- 1.6 “Full fixed charges shall be recoverable at generation level of 6000 hours/kw/year. Payment of fixed charges below the level of 6000 hours/kw/year shall be on prorata

basis. There shall not be any payment for fixed charges for generation level above 6000 hours|kw|year. For generation of above 6000 hours|kw|year, the additional incentive payable shall not exceed 0.7 per cent of return on equity, for each percentage point increase of Plant Load Factor above the normative level of 6000 hours|kw|year. While computing the level of generation, the extent of backing down, as ordered by the Regional Electricity Boards shall be reckoned as generation achieved. The payment of fixed charges shall be on monthly basis, proportionate to the electricity drawn by the respective Boards and other persons. Necessary adjustment based on actual shall be made at the end of each year.

Note:—The additional incentive of return on equity at 0.7 per cent for each percentage increase above the normative level of 6000 hours|kw|year, mentioned above, shall be the maximum ceiling. It shall be open to the Generating Companies and Boards or other power purchasers to negotiate and fix a suitable lower additional incentive, within the above ceiling”;

(4) clause 3.1 shall be omitted.

[F. No. 6/1|PTB|94]

T. SETHUMADHAVAN, Jt. Secy.

